

करती रहती हैं, यह सोचकर कि एक बार सफल हो जाने पर, वे स्टेबल हो जाएँगी. फिर यह मुर्गी और अंडे वाली स्थिति बन जाती है. पंजाब और दिल्ली दोनों के साथ यही समस्या रही है. एक टीम के 15 कप्तान रहे हैं, दूसरी के 17. इसलिए, अगर आप अपना वर्तमान बदलना चाहते हैं, तो स्टेबिलिटी से कोई समझौता नहीं हो सकता.